लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2930
10 मार्च, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

जूट उद्योग में अप्रचलित मशीनरी

2930. श्री जगन्नाथ सरकार:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पटसन उद्योग में विशेषकर प्रमुख जूट उत्पादक राज्यों में अप्रचलित मशीनरी और पुरानी प्रौद्योगिकी के विस्तार का आकलन किया है;

(ख) राष्ट्रीय पटसन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत जूट मिलों के आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी के उन्नयन के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए हैं और इसकी समय-सीमा क्या है और अब तक क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं;

(ग) उन जूट मिलों/कंपनियों के नाम क्या हैं जिन्हें विगत पांच वर्षों के दौरान संयंत्र और मशीनरी के अधिग्रहण के लिए पूंजीगत राजसहायता योजना के अंतर्गत सहायता प्राप्त हुई है;

(घ) ऐसे प्रत्येक लाभार्थी को कितनी राजसहायता स्वीकृत और संवितरित की गई है; और

(ङ) क्या इस संबंध में कोई मूल्यांकन किया गया है कि क्या इस प्रकार की पूंजीगत राजसहायता के परिणामस्वरूप जूट उद्योग की उत्पादकता, गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है?

उत्तर
वस्त्र मंत्री
(श्री गिरिराज सिंह)

***

क) और ख): देश का जूट उद्योग एक सदी पुराना है। सरकार जूट विविध उत्पादों के विनिर्माण के लिए मौजूदा जूट मिलों और एमएसएमई इकाइयों के आधुनिकीकरण और उन्नयन तथा नई जूट मिलों और एमएसएमई इकाइयों की स्थापना के उद्देश्य से राष्ट्रीय जूट विकास कार्यक्रम (एनजेडीपी) के तहत वर्ष 2021-22 से संयंत्रों और मशीनरी के अधिग्रहण के लिए पूंजी सब्सिडी (सीएसएपीएम) योजना को कार्यान्वित कर रही है। सीएसएपीएम योजना जूट मिलों और जेडीपी उत्पादन इकाइयों को पात्र जूट मशीनरी की लागत की 30 प्रतिशत पूंजी सब्सिडी प्रदान करती है। जूट-विविध उत्पादों के विनिर्माण के लिए 1231.80 लाख रुपये के कुल मशीनरी निवेश की तुलना में ऐसी 13 इकाइयों को 369.54 लाख रुपये की राशि संवितरित की गई है।

ग) और घ): गत पांच वर्षों में सीएसएपीएम योजना के तहत सहायता पाने वाली जूट मिलों और एमएसएमई-जेडीपी उत्पादक इकाइयों का विवरण निम्न प्रकार हैं:-

	इकाइयों का नाम	कुल जारी/संवितरित राशि (लाख रुपये में)
केरल		
1	त्रावणकोर मैट्स एंड मैटिंग प्राइवेट लिमिटेड	13.50
पश्चिम बंगाल		
1	वररा क्राफ्ट्स	0.90
2	करिवाला इंडस्ट्रीज लिमिटेड	54.91
3	इको जूट प्राइवेट लिमिटेड	101.70
4	टाइम्स फाइबरफिल प्राइवेट लिमिटेड	36.80
5	पंकज इंटरनेशनल	1.75
6	ग्लोस्टर लिमिटेड (जूट मिल)	85.74
7	एसएल पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड	2.41
8	अर्थबैग्स एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड	44.17
9	इंडिया ग्लेज़ेस लिमिटेड	10.21
10	रिक्रस्ट इंटरनेशनल	3.10
11	डाईबल्ज	3.89
12	ग्रीनो बैग्स	10.46

ङ): राष्ट्रीय जूट विकास कार्यक्रम के लिए मूल्यांकन अध्ययन किया गया है, जिसमें सीएसएपीएम योजना भी शामिल है। यह देखा गया है कि यह योजना औद्योगिक आधुनिकीकरण के लिए आवश्यक है और दक्षता मानदंड पर निष्पादन पर अधिक बल देते हुए मशीनरी विशिष्टताओं को समय-समय पर अद्यतन करके योजना को और मज़बूत करने की सिफारिश की गई है।

****